

राजस्थान अलवर तालाब के शासकीय विद्यालय की व्याख्याता के अधिक प्रयासों ने बना सेल्फी पॉइंट

अलवर। तालाब के शासकीय विद्यालय के स्टाफ छात्र छात्राओं ने बताया कि संगीता गौड़ व्याख्याता भूगोल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तालाब



अलवर के अधिक प्रयासों से विद्यालय आज सेल्फी प्वाइंट बना। एक जानकारी में बताया कि ये विद्यालय पूरी तरह से जीर्ण शीर्ण हालत में था। विद्यालय की जर्जर हालत देखकर क्षेत्रीय रहवासियों के मन में एक टीस थी कि काश कोई भामाशाह मिल जाये और हमारा विद्यालय भी कुछ अलग हटकर हो। संगीता बहुत लोगों से मिली लेकिन निराशा ही हाथ लगी। लेकिन अधिक प्रयासों के साथ हर तो माननी ही नहीं है। वो वाक्या ध्यान में आया कि लहरों से डरकर नोकापार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती बहुत प्रयास करने के बाद मेरी मुलकात राजेश

लवानिया इंजीनियर रमसा से हुई जिन्होंने सहगल फाउंडेशन का जिक्र किया। महिपाल सहगल फाउंडेशन से संपर्क किया और लगातार 6 महीने तक उनसे निवेदन करती रही और उन्हें अपने स्कूल का विजिट कराने के लिए तालाब तक लेकर आई। और अंत में संस्था को काम करने के लिए राजी किया और उनके द्वारा हमारे विद्यालय में 24 लाख का कार्य करवाया गया चोक जो बिल्कुल कच्चा था बारिश होते ही पानी भर जाता था प्रार्थना करने की जगह नहीं थी प्रत्येक कमरे में पानी टपकता था बारिश के मौसम में छात्र छात्राओं को बैठाने की कही जगह नहीं थी। आज सहगल फाउंडेशन के द्वारा विद्यालय सौन्दर्यीकरण का कार्य किया गया और आज विद्यालय सेल्फीपॉइंट बन चुका है। जब भी मैं अपने विद्यालय को देखती हूँ को बहुत खुशी होती है। विद्यालय में इस संस्था से इमरान खान, रेखा जांगिड़ द्वारा 25 आयुर्वेदिक प्लॉट लगाए गए। विद्यालय को हरा भरा रखने के लिए संगीता

गौड़, रामकिशन सैनी द्वारा छात्राओं के सहयोग से लगातार पौधे भी लगाए जा रहे हैं उनकी कटिंग देखरेख भी की जाती है। इस संस्था द्वारा कंप्यूटर क्लास भी चलाई जा रही है जिसका नाम डिजिटल



लिटरेसी है। पहले बैच में 60 और सेकंड बैच में 61 छात्र छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षक रेखा जांगिड़ द्वारा कंप्यूटर के बेसिक कोर्स, तै भावनात्मक सामुदायिक लक्ष्य और योजनाओं के बारे में बताया गया। साथ ही GRG सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं RTE, rti, SBM, पंचायती राज संस्थान, icds, pos, SMC पैशन योजनाओं के बारे में बताया गया। पुप के अंतर्गत

इमरान खान द्वारा हाथ धोना, शांतिचालय की साफ सफाई के बारे में जानकारी दी गयी। 115 से 29 वर्ष के बच्चों का NYK में नामांकन किया गया। समय समय पर पोस्टर प्रतियोगिता कराई और रैली निकाली गई। छात्र छात्राओं द्वारा कई मॉडल तैयार कराये गए। जिनमें 2 बकिंग मॉडल जिनके द्वारा फालतू पानी को इकट्ठा करने से लेकर पानी का शुद्धिकरण और गंदे पानी को पुनःचक्रण द्वारा साफ कर पुनः उपयोग में लेने की पूरी प्रक्रिया दिखायी गई। गौड़ की प्रेरणा से सहगल फाउंडेशन अलवर द्वारा कराये गए समस्त कार्य के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश मिश्रा एवम समस्त ग्रामवासियों ने संगीता गौड़, राजेश लवानिया और इस संस्था का और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया है। ये सब देखकर बच्चों के नामांकन में भी वृद्धि हुई है। साथ ही ग्रामवासियों और बच्चों में बहुत ही खुशी का माहौल है। श्री मति गौड़ अपनी प्रेरणा स्रोत अपने पति रतन गौड़, अपने मम्मी पापा, श्री गोपीचंद शर्मा, पंडित रामवतार शर्मा, महेंद्र पटवारी, गजेंद्र शर्मा, चंद्र प्रकाश मिश्रा, दीपांकर जलुथरिया, धर्मेन्द्र अवस्थी, रामकिशन सैनी, रामेश्वर कोली, गोविंद, नरेश मीना को मानती हूँ।

Wall paintings and beautified school surroundings become a selfie point in schools of Alwar

The new look of Talab School in Alwar, Rajasthan after school renovation has become a source of inspiration for school students and staff who take pride in the positive developments in the school, including beautification, plantation, and digital literacy classes for youth. Students have a new sense of confidence after getting trained on governance systems and rights and entitlements under various programs such as Right to Education, Integrated Child Development Services, and others. The linkage with Nehru Yuva Kendras has also provided a platform for students to showcase their skills and talent.

Session on importance of clean drinking water in Samastipur, Bihar

Sehgal Foundation organized an awareness building session on Water, Sanitation and Hygiene in government senior secondary school in Chandoli. Schoolchildren were sensitized on how water gets contaminated. Students were asked questions on how can we avoid contamination of water and contribute to tackle climate change and environmental deterioration. Winning answers received a token of appreciation. Dharmendra Singh, a representative of Sehgal Foundation, appealed to the students to wash hands before each meal and after defecation.